R.N.I. No.: RAJHIN/2013/58887
Postal Regd. No.: SRIGANGANAGAR/261/2018-20

साप्ताहिक

किसान हित

संपादक : राजकमल बिश्नोई | Website : www.kisanhit.com | सहायक संपादक : राकेश जांगू

◆ वर्ष 10 ◆ अंक 12 ◆ पृष्ठ 04 ◆ श्रीगंगानगर | 16-02-2023 से 22-02-2023 | ◆ मूल्य रू 3/- | E-mail. : kisanhit29@gmail.com

पेज 2 पर पढ़े...
स्मार्टफोन की वजह से ...

रायसिंहनगर : बदमाशों का गिरोह बस स्टेंड पर ताश के पत्ते पर जुऐ की आड़ में सरेआम लूट की वारदात को देते है अंजाम, पुलिस के लिए बनी बड़ी चुनौती

रायसिंहनगर/किसान हित

मुख्य बस स्टेंड पर लम्बे समय से डेढ़ दर्जन बदमाशों का गिरोह सरेआम ताश के पत्ते पर जुऐ की आड़ में आमजन को लूट का शिकार बना रहे है। जब भी कोई इनका विरोध करता है तो उन पर जानलेवा हमला तक कर देते है। पुलिस के आलाधिकारियों तक हर रोज बड़ी तादाद में शिकायतें पहुंच रही है इसके बावजूद इन पर रोक लगाना पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है। बदमाशों का यह गिरोह ताश की गड्डी अपने पास रखता है, मौका मिलते ही मुख्य बस स्टेंड पर आपस में ही घेरा बनाकर लूट का खेल शुरू कर देते है। जब कोई यात्री यहां से निकलता है, वह इनका शिकार हो जाता है। कोई भी यात्री इस ओर झांक भी लेता है तो उस पर आरोप लगाकर मारपीट कर उससे पैसे लूट लेते है। इन लोगों का खौफ इतना है कि कोई भी आम आदमी पुलिस तक जाने में भी कतराता है। इस मामले को लेकर मीडिया ने कई बार आवाज उठाई। लेकिन पुलिस अब तक इन पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं कर पा रही है। पुलिस उन पर ताश के पत्तों पर खेलने का मामूली चार्ज लगा देती है, जिसकी जमानत भी थाने में हाथोहाथ हो जाती है, जिससे अपराधियों के हौंसले बुलंद है।

कई लोगों पर कर चुके है हमला एवं लूट, नकेल कसने में नाकाम पुलिस

अभी हाल ही में कुछ दिन पहले जब एक व्यक्ति इन आरोपियों के चुंगल में फंसा तो वहां खड़े दूसरे व्यक्ति ने आपत्ति करते हुए उन्हें रोकने का प्रयास किया। जिससे बौखलाये बदमाशों ने युवक पर हमला कर दिया है, युवक वहां से बमुश्किल अपनी जान बचाकर भागा। यह केवल एक घटना नहीं है बस स्टेंड पर हर दिन कोई न कोई आदमी इनका शिकार बन जाता है। इस गिरोहबंद बदमाशों के बुलंद हौंसले की वजह से पीड़ित पुलिस थाने में शिकायत लेकर जाने में भी डरता है। इस पूरे मामले को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर भी आम आदमी सवाल खड़ा कर रहा है।

31 मार्च तक आधार कार्ड को पेनकार्ड से लिंक नहीं करवाया तो पेनकार्ड होगा निष्क्रिय, आधार का पेन एवं बैंक से लिंक अलग-अलग प्रक्रिया

आधार को पेनकार्ड से लिंक करवाने का लग रहा है एक हजार रूपये जुर्माना, टैक्स बार एसोसिएशन ने जुर्माना रद्द करने की रखी मांग

अनूपगढ़/किसान हित

आधार को पेनकार्ड से लिंक न करवाना अब आदमी की जेब पर भारी पड़ रहा है। आयकर विभाग 31 मार्च तक एक हजार रूपये के जुर्माने के साथ आधार को पेनकार्ड से लिंक करवाने का मौका दे रहा है। इसके बाद विभाग ऐसे पेनकार्डो को निरस्त कर सकता है जो आधार से लिंक नहीं है। जब पेनकार्ड निष्क्रिय हो जायेगा तो उसे वापिस जुड़वाने के लिए भारी-भरकम ओर जुर्माना भरना पड़ सकता है। इस समस्या को लेकर टैक्स बार एसोसियेशन अनूपगढ़ ने आयकर विभाग से जुर्माना रद्द करने की मांग रखते हुए हाल ही में उपखण्ड अधिकारी के मार्फत एक ज्ञापन भी सौंपा है। टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव एडवोकेट रमेश शेवकानी ने बताया कि आपका आधार कार्ड पेन कार्ड से लिंक नहीं हैं तो 31 मार्च से पहले यह प्रि या पूर्ण कर लें, नहीं तो आपका पेनकार्ड आयकार विभाग की तरफ से निष्क्रिय कर दिया जाएगा। अभी वर्तमान में भी आधार कार्ड को पेनकार्ड से लिंक करने के लिए एक हजार रूपए बतौर पेनेल्टी के लगाए जा रहे है, जो पूर्व में निःशुल्क किया जाता था। उक्त पेनेल्टी लगने से लोगों को एक हजार रूपए का सीधा आर्थिक नुकसान हो रहा हैं। पेन धारकों को होने वाले उक्त नुकसान से बचाने के लिए स्थानीय टैक्स बार एसोसिएशन की तरफ से वित्त मंत्री निर्मलासीतारमण को ज्ञापन भेजकर पेनकार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने व पेनेल्टी को निरस्त करने की मांग की है। उपखंड अधिकारी प्रियंका तलानियां को सौंपे गए ज्ञापन सौंपने के दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर कुक्कड़, सचिव रमेश शेवकानी, एडवोकेट श्योपत गोदारा, सीए रजत चुघ, एडवोकेट पूनम ढुढ़ाड़ा, सीए शम्मी बलाना, सीए मोहित बजाज, बार संघ पूर्व अध्यक्ष रमेश सारस्वत उपस्थित रहे। उन्होंनें कहा कि जो पेनकार्ड 31 मार्च तक लिंक नहीं किए गए वह सभी पेनकार्ड केंद्रीय प्रत्यक्ष बोर्ड की तरफ से निरस्त होने के साथ-साथ दोबारा कार्ड को सक्रिय करने के लिए भी अधिक शुल्क वसूले जाने की संभावना हैं।

यह आएंगी समस्याएं

टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरचंद कुक्क ड़ व सचिव रमेश शेवकानी ने बताया कि पेनकार्ड निरस्त हो जाने से 31 मार्च तक पैनकार्ड को आधार से लिंक नहीं करवाने पर टैक्स संबंधित गतिविधियों पर रोक लग जाएगी। ऐसे पेनकार्ड धारक ना तो रिटर्न दाखिल कर पाएंगे और न ही ट्रांजेक्शन कर पाएंगे। पेनकार्ड के निष्क्रिय होने के कारण बैंक खाता खुलवाने में भी समस्याएं आएंगी। आमजन को बैंक लोन लेने में परेशानी, टीडीएस जमा होने में भी समस्याएं उत्पन्न होंगीं। उन्होंनें बताया कि पैनकार्ड और आधार को लिंक करने के बारे में काफी लोगों को गलतफहमी है। अधिवक्त ाओं ने कहा कि लोगों की तरफ से पेनकार्ड को बैंक में देने को ही आधार कार्ड से लिंक होने की प्रक्रिया माना जा रहा हैं, जबकि यह दोनों अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं।

एक्सपर्ट व्यू

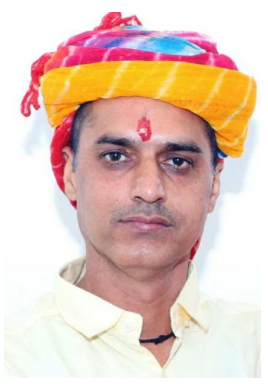

पेनकार्ड को आधार से लिंक करने के लिए लगाया गई पेनेल्टी विभाग द्वारा समाप्त करना चाहिये। क्षेत्र में अनेक ऐसे पेनकार्ड है जो आधार से लिंक नहीं हैं। लोगों को इस संबंध में जानकारी का भी अभाव हैं। लोगों की तरफ से केवाईसी के लिए बैंक में दिए गए पेनकार्ड को ही आधार से लिंक हुआ माना जा रहा है, ऐसे में लिंक नहीं होने के कारण कई पेनकार्ड निष्क्रिय होने की पूरी आशंका हैं। पेनकार्ड और आधार कार्ड को इनकम टैक्स की साइट पर जाकर लिंक करना होता है। इसके लिए लोगों को जागरूकता लानी होगी।

एडवोकेट रमेश शेवकानी, सचिव
टैक्स बार एसोसिएशन, अनूपगढ़

ताजा खबरों के लिए विजिट एवं सब्सक्राईब करें -
www.kisanhit.com
खबर प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें - 97998-75426

2 दर्जन से अधिक किसानों की जली मोटरें, डिस्कॉम कार्यालय पर दिया धरना

सूरतगढ़। कुछ दिन पूर्व भी डिस्कॉम कार्यालय में आक्रोश जताते हुए सहायक अभियंता (ग्रामीण) को ज्ञापन सौंपकर कम वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने की किसानों ने मांग की थी, लेकिन ज्ञापन देने के 1 दिन बाद ही कम वोल्टेज के चलते करीब दो दर्जन किसानों की ट्यूबवेल मोटरें और जल गई। इस पर ग्रामीणों रोष फैल गया। किसानों ने बुधवार को दोपहर बाद डिस्कॉम कार्यालय पहुंचकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसान नेता राकेश बिश्नोई के नेतृत्व में ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए आक्रोश जताया कि डिस्कॉम के अधिकारियों को बार-बार कम वोल्टेज की समस्या से अवगत करवाते आ रहे हैं, लेकिन अधिकारी लगातार लापरवाही बरत रहे हैं। जिसके चलते उन्हें आर्थिक हानि होने के साथ-साथ मानसिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। उधर मोटरें जल जाने के कारण उनकी फसलें भी बर्बाद हो रही है। नारेबाजी और धरना प्रदर्शन के बाद डिस्कॉम के एक्सईएन अजय शर्मा धरना स्थल पर पहुंचे। कम वोल्टेज की समस्या को लेकर जब किसानों ने अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाई तो तुरंत ही मौके पर टीमों को जांच के लिए भेजा गया। धरना और प्रदर्शन के दौरान किसान नेता राकेश बिश्नोई, मनोज जांगू, पंकज सैनी, सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र गोदारा, मांगीलाल गोदारा, मामराज, आईदान, साहिल खान, विक्रम, मंगल सिंह, दौलत सिंह, मनफूल व दिलीप कुमार सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

सम्पादकीय ...

देश के आर्थिक विकास में कभी-कभी नागरिकों की सुरक्षा के हित में नहीं रोकी जा सकती विकास योजनाऐं

सर्वोच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में एक रेलवे फ्लाईऑवर के निर्माण के खिलाफ लंबित याचिका को खारिज करते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा महत्त्वपूर्ण है, लेकिन मानव जीवन की अहमियत भी उससे कम नहीं है। इस फैसले का संदर्भ यह कि बंगाल में जिस रेलवे के फ्लाईऑवर को बनाया जाना था, वहां दुर्घटनाओं में अब तक सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट में याचिका के कारण यह परियोजना 2018 से लटकी हुई थी। इसकी व्यावहारिकता की जांच के लिए 2020 में शीर्ष अदालत ने एक विशेषज्ञ समिति गठित की थी। अब इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि विकास और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच एक प्रतिस्पर्धा सदैव चलती रहती है। इसमें संदेह नहीं कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पारिस्थितिकी और पर्यावरण को संरक्षित करने की आवश्यकता है, लेकिन देश के आर्थिक विकास और कभी-कभी नागरिकों की सुरक्षा के हित में विकास योजनाओं को रोका नहीं जा सकता। जाहिर है, अदालत के इस रुख का निहितार्थ यह है कि विकास और पर्यावरण साथ-साथ चल सकते हैं। इनमें संतुलन बनाया जा सकता है। लेकिन आम तौर पर देखें तो विकास और इससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान को लेकर दुनिया दो खेमों में बंटी नजर आ रही है। दोनों ही पक्षों के अपने-अपने तर्क हैं। दोनों के ही अपने संगठन और पैरवीकार हैं जो एक खास किस्म के अतिवाद के शिकार हैं। हालांकि सभी को पता है कि बीच का रास्ता निकालने से ही बात बनेगी। विकास के नाम पर आधारभूत परियोजनाओं, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन, खदानों, ताप बिजली संयंत्रों और धुआं उड़ाती गाड़ियों को ही देखा जाता है। लेकिन यह भी गौरतलब है कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी दुनिया काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। तकनीकी या आर्थिक विकास के बिना करीब सात अरब आबादी वाली इस धरती को बचा पाना मुश्किल है। लेकिन अक्सर तकनीक के योगदान को अनदेखा कर दिया जाता है। सड़कों पर घूम रहे इलेक्ट्रिक वाहन भी विकास का एक चेहरा हैं। कल्पना की जा सकती है कि इंटरनेट, गूगल, ई-मेल ने कितने लाख टन कागज बचाए होंगे और कितने पेड़ों को कटने से बचाया होगा। बहुत कम लोगों को याद होगा कि चूल्हे से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने के लिए देश में पहला कानून 1905 में अंग्रेजों ने बंगाल में बनाया था। बाद में 1912 में यही कानून मुंबई में लागू किया गया। रसोई गैस ने महिलाओं को चूल्हे के दमघोंटू धुएं और न जाने कितनी बीमारियों से मुक्ति दिलाने के अलावा कितना बड़ा वन क्षेत्र बचाया होगा। ऐसे में यह बहस बेमानी है कि विकास पर्यावरण का विरोधी है और लोगों को पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रगति और सुरक्षा से समझौता करना सीखना चाहिए। विकास की गाड़ी को अवरुद्ध करने के बजाय उन चीजों पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए जिनसे प्रदूषण फैलता है। रेलवे फाटकों पर होने वाले हादसों में हर साल सैकड़ों लोगों की जान चली जाती है। इसलिए लोगों का जीवन बचाने के लिए एक रेलवे फ्लाईऑवर की परियोजना को लटकाने की मांग पर व्यावहारिक कसौटी पर विचार किया जाना चाहिए। विकास और पर्यावरण में एक संतुलन स्थापित करने की जरूरत है। पूरी दुनिया इसी के लिए प्रयासरत है। यह सही है कि अगर धरती रहने लायक नहीं रह गई तो विकास निरर्थक हो जाएगा, लेकिन अगर विकास की गाड़ी रुक गई तो धरती को बचाना भी मुश्किल हो जाएगा।

मस्ती का कोना ...

डॉक्टर – आपका लड़का पागल कैसे हो गया ?

पिता – वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था।

डॉक्टर – तो इससे क्या ?

पिता – लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

बालों से लेकर दिल तक की सभी समस्याओं को दूर रखता है काला तिल

काले तिल में कई औषधीय गुण होते हैं, यही वजह है कि यह सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तिल अनादि काल से भारतीयों के पसंदीदा रहे हैं। तिल कई रंगों में आते हैं। इसमें ब्लैक, ग्रे और व्हाइट शामिल हैं। काले तिल भी अधिक प्रचलित हैं। क्यों कि ये कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कई खास व्यंजनों में इस्तेमाल किए जाते हैं। काला तिल आपके नाखूनों को स्वस्थ रख सकता है। काले तिल में आपके बालों से लेकर आपके दिल तक की सभी समस्याओं को दूर करने की ताकत है। काले तिल आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं, आपके ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखते हैं।

ब्लड प्रेशर को करे कंट्रोल

हैल्थ लाईन के मुताबिक काले तिल में मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जो उच्च रक्तचाप के स्तर को संतुलित करने में मदद करते हैं। ये तिल दिल के दौरे और हाई ब्लड प्रेशर की संभावना को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा काले तिल में पॉलीअनसैचुरेटेड फैट के साथ-साथ सेसामिन नामक यौगिक होता है, जो हाई ब्लड प्रेशर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

अल्जाइमर को रोकने में मददगार

मेडिकल न्यूज टुडे के अनुसार काले तिल और इस तिल के तेल का इस्तेमाल तनाव कम करने के लिए किया जाता है। शरीर में एंटीऑक्सीडेंट बढ़ाने की क्षमता पर इस तिल का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसमें उच्च एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। इसलिए इसका सेवन तनाव को कम करने और अल्जाइमर रोग को रोकने में मदद करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

काले तिल में कैल्शियम, फाइबर, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, कॉपर, मैंगनीज, जिंक, आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें आवश्यक ट्रेस खनिज भी होते हैं, जो सेल फंक्शन को विनियमित करने में मदद करते हैं, प्रतिरक्षा में सुधार करते हैं और पूरे शरीर में ऑक्सीजन परिसंचरण में सुधार करते हैं।

हृदय रोग को करे कम

आधे से अधिक काले तिल तेल से बने होते हैं, जो मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड वसा का एक स्वस्थ स्रोत है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार उच्च संतृप्त वसा वाले खाद्य पदार्थों को असंतृप्त वसा से बदलने से हृदय रोग, स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है।

पाचन क्रिया बनाए सुचारू

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक काले तिल फाइबर और फैटी एसिड से भरपूर होते हैं। इस वजह से ये कब्ज से राहत दिलाने में मदद करते हैं। तिल में पाया जाने वाला तेल आंतों को चिकना यानी चिपचिपा रखता है। यह पाचन क्रिया को सुचारू रखता है।

बाल और त्वचा रखे स्वस्थ

हेल्थ लाइन के अनुसार तिल के तेल का व्यापक रूप से बालों और त्वचा उत्पादों जैसे साबुन, शैंपू और मॉइस्चराइजर में उपयोग किया जाता है। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि काले तिल बालों और त्वचा पर अच्छा प्रभाव डालते हैं। तिल के बीज में कई पोषक तत्व होते हैं जो स्वस्थ बालों और त्वचा को बनाए रखने में सहायक होते हैं।

स्मार्टफोन की वजह से 30 साल की महिला ने गंवाई अपनी आंखें

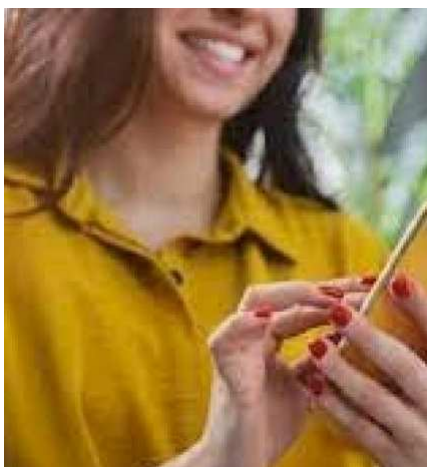

हमारा स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम कैसे रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति स्वस्थ जीवन शैली का पालन करता है, तो वह हमेशा फिट और स्वस्थ रह सकता है। इसलिए अच्छा खाना खाने, स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही अच्छी आदतों का पालन करने के बारे में भी कहा जाता है। लेकिन कई लोग ऐसे भी होते हैं जो कुछ बुरी आदतों को नहीं छोड़ पाते और फिर उसका परिणाम भुगतते हैं। इस मोबाइल फोन के चक्कर में 30 साल की मंजू की आंखें चली गई हैं। इसके पीछे की वजह को समझना जरूरी है। क्यों कि रोजाना के इस्तेमाल में हम अक्सर मोबाइल फोन पर घंटों बिता देते हैं। अपोलो हॉस्पिटल हैदराबाद के न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर सुधीर कुमार के अनुसार मंजू की आंखों की रोशनी चली गई थी। इसके पहले उन्होंने आंखों के डॉक्टर को दिखाया तो उन्होंने ने कहा सब नॉर्मल है, किसी न्यूरोलॉजिस्ट को एक बार दिखा लीजिए। साधारण बातचीत में पता चला कि मंजू पिछले कई सालों से घंटों फोन पर लगी रहती हैं। मंजू को दिनभर फोन इस्तेमाल करने की बुरी आदत लग गई थी। वह दिन भर अपने फोन पर फीड स्क्रॉल करती रहती थीं। ऐसा दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी हुआ। मंजू रात के अंधेरे में भी लाइट बंद कर फोन का इस्तेमाल करती थी। फोन के इस्तेमाल की इस आदत ने मंजू को दृष्टि सिंड्रोम का शिकार बना दिया। ऐसे में उन्हें कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा। चौंकाने वाली बात यह है कि इस वजह से उसने अपनी आंखों की रोशनी खो दी। डॉक्टर सुधीर ने बताया कि मैंने हिस्ट्री को खंगालना शुरू किया तो पाया कि लक्षण तब शुरू हुए जब उन्होंने अपने बच्चे की देखभाल के लिए ब्यूटीशियन की नौकरी छोड़ दी और अपने स्मार्टफोन के माध्यम से रोजाना कई घंटों तक ब्राउज़ करने की एक नई आदत अपनाई, जिसमें रात में 2 घंटे लाइट बंद होने पर भी शामिल है। मंजू को लगातार अपना फोन देखने की लत लग गई थी। इसके चलते मंजू को पिछले डेढ़ साल से दृष्टि सिंड्रोम जैसी गंभीर बीमारी का सामना करना पड़ रहा था। नतीजा यह हुआ कि उसकी दोनों आंखें फेल हो गईं। इस दौरान उन्हें कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

जिसमें प्रकाश की चमक, डार्क जिग जैग लाइनें और किसी भी चीज पर ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई शामिल है। इतना ही नहीं कभी-कभी उसे कोई व्यक्ति या वस्तु दिखाई नहीं देती थी। यानी उसकी आंखों की पूरी रोशनी चली जाएगी। घंटों तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से आंखों की रोशनी भी जा सकती है। इसके अलावा आंखों की रोशनी को सुरक्षित रखने के लिए लैपटॉप, कंप्यूटर आदि के ज्यादा इस्तेमाल से बचना चाहिए। डॉक्टर ने फोन के इस्तेमाल को लेकर कहा कि डिजिटल उपकरणों की स्क्रीन को लंबे समय तक देखने से बचें, क्योंकि इससे दृष्टि संबंधी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डिजिटल स्क्रीन (20-20-20 नियम) का उपयोग करते हुए 20 फीट दूर किसी चीज को देखने के लिए हर 20 मिनट में 20 सेकंड का ब्रेक लें। साथ ही रात में फोन का इस्तेमाल करते समय कमरे में लाइट जलाकर रखें, 1 या 2 मिनट के लिए इस्तेमाल करना ठीक है, लेकिन 1 घंटे या उससे अधिक समय तक मोबाइल स्क्रीन देखना खतरनाक साबित हो सकता है।

इस महीने से बाजार में मिलेगी सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन

सर्वाइकल कैंसर से लड़ने के लिए बनाई गई सीरम इंस्टीट्यूट की वैक्सीन इस महीने से मार्केट में मिलने लगेगी। इस वैक्सीन में दो डोज होंगे। इसकी कीमत 2 हजार रुपए है। ये सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ पहली स्वदेशी ह्यूमन पेपिलोमा वायरस वैक्सीन है। वैक्सीन को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने मिलकर बनाया है। एसआईआई के सीईओ अदार पूनावाला का कहना है कि शुरुआत में वैक्सीन की क्वान्टिटी कम होगी। अगले साल प्रोडक्शन को बूस्ट किया जाएगा।

घर की इस दिशा में भूलकर भी न रखें टीवी फ्रिज और सोफा, हो सकता है बड़ा नुकसान

वास्तु का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। अगर हमारा घर या कार्यस्थल वास्तु के अनुसार नहीं बना हो तो जीवन में दरिद्रता का वास रहता है। साथ ही आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहती है। वहीं घर के अंदर सामान भी अगर सही दिशा में नहीं रखा हो तो भी वास्तु दोष लगता है। यहां हम बात करने जा रहे हैं फ्रिज, टीवी और सोफा के बारे में, मतलब इन चीजों को घर के अंदर किस दिशा में रखना चाहिए। जिससे घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहे। वास्तु शास्त्र के अनुसार ड्रॉइंग रूम में सोफा या फिर दीवान को दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखना अच्छा होता है। इससे घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। साथ ही घर के सदस्यों के जीवन में दरिद्रता भी कभी नहीं

आएगी और मां लक्ष्मी का वास रहेगा। घर के पूर्वी दिशा की दीवार पर टीवी लगानी चाहिए। वहीं अगर बात करें लिविंग एरिया और ड्राइंग रूम की तो यहां पूर्व दिशा में टीवी लगा सकते हैं। वास्तु के मुताबिक पूर्व दिशा की तरफ मुंह करके टीवी देखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार होता है। साथ ही घर के लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि का वास रहता है और वास्तु देवता भी प्रसन्न रहते हैं। वास्तु शास्त्र अनुसार फ्रिज को उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं रखना चाहिए। इसके साथ ही यह दीवारों और कोनों से कम से कम एक फीट की दूरी पर भी होना चाहिए। साथ ही फ्रिज को पश्चिम दिशा में रख सकते हैं। ऐसा करने से वास्तु देवता प्रसन्न रहते हैं। साथ ही घर के सदस्यों में मधुरता बनी रहती है। वहीं फ्रिज को किसी गेट के सामने नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार दरवाजे के सामने फ्रिज होने से पॉजिटिव एनर्जी के फ्लो में रुकावट पैदा होती है। वहीं फ्रिज के पास माइक्रोबेव और स्टोव नहीं रखना चाहिए। क्योंकि गैस स्टोव अग्नि तत्व को दर्शाता है तो वहीं फ्रिज जल तत्व को। इसलिए इन दों को उचित दूरी पर रखना चाहिए। रेफ्रीजिरेटर को भूलकर भी ईशान या नैऋत्य कोण में नहीं रखना चाहिए। क्योंकि इससे वास्तु दोष उत्पन्न होता है।

आईजीएनपी का नया रेगुलेशन : दो ग्रुप की नहरें एक साथ चलेंगी, साढ़े 8 दिन से मिलेगा सिंचाई पानी, गेंहू की फसल को होगा फायदा

हनुमानगढ़। इंदिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम चरण में नया रेगुलेशन बनने के बाद अब हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिले के किसानों को सिंचाई के लिए साढ़े 8 दिन के अंतराल से सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। इससे गेहूं की फसल को सर्वाधिक लाभ होगा। जानकारी के अनुसार इंदिरा गांधी नहर परियोजना में पहले तीन में से एक ग्रुप की नहरें एक साथ चलाई जा रही थी। इस कारण काश्तकारों को लगभग 17 दिन के बाद सिंचाई के लिए पानी मिल रहा था।

जनवरी के अंतिम सप्ताह में हुई बीबीएमबी की बैठक में जल संसाधन उत्तर हनुमानगढ़ के चीफ इंजीनियर अमरजीत सिंह मेहरड़ा ने आईजीएनपी में पानी का शेयर बढ़ाने का आग्रह किया। बीबीएमबी की तकनीकी समिति ने 11 फरवरी से पानी बढ़ाने की सहमति दे दी। इस पर 14 फरवरी से आईजीएनपी की नहरों को चार में से दो ग्रुप में चलाने का निर्णय लिया गया। अब नया रेगुलेशन प्रभावी हो गया है। एक साथ दो ग्रुप की नहरें चलने से किसानों को अब 17 की बजाए साढ़े आठ दिन के अंतराल से सिंचाई के लिए पानी मिल जाएगा। 15 फरवरी के बाद तापमान में भी बढ़ोत्तरी की संभावना है। ऐसे में किसान भी गेहूं के पकाव के लिए पर्याप्त पानी देने की मांग कर रहे थे। अब किसानों की डिमांड भी पूरी हो गई और पूरा सिंचाई पानी भी मिल जाएगा। 21 मार्च तक यही रेगुलेशन प्रभावी रहने की उम्मीद है। फरवरी और मार्च महीना गेहूं के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस समय फसल पकाव पर होती है और तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो जाती है। अगले सप्ताह से जिले में भी तापमान 30 डिग्री से ऊपर पहुंचने का पूर्वानुमान मौसम विभाग की ओर से लगाया गया है। ऐसे में फसल के अच्छे पकाव के लिए एकमात्र सिंचाई पानी ही किसानों का सहारा है। जल संसाधन विभाग द्वारा 21 मार्च तक चार में से दो समूह में नहरें चलाने की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। इस बार जिले में लगभग दो लाख हैक्टेयर में गेहूं की बिजाई हुई है। पूरा सिंचाई पानी मिलने के कारण 2 लाख हैक्टेयर में खड़ी फसल को लाभ होगा।

राठौड़ी पड़ी मंहगी : दबंगई दिखाने वाले चार युवकों की जमानत हुई खारिज, युवक का अपहरण कर की थी मारपीट

रायसिंहनगर/किसान हित

अनूपगढ़ के चार युवकों द्वारा नाबालिग युवक का अपहरण कर उसके साथ मारपीट मामले में आरोपियों को बुधवार को भी जमानत नहीं मिली। जिसके चलते चारों आरोपी अभी जेल में है। आप को बता दें कि लखा हाकम निवासी रामदयाल पुलिस ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया था कि उसके भतीजे का तीन जने अपहरण कर गाड़ी में डालकर अनूपगढ़ ले गए । जिसके बाद रायसिंहनगर पुलिस ने अनूपगढ़ पुलिस से संपर्क कर मामले की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस को सूचना मिली कि एक होटल के बाहर एक युवक से कुछ लोग मारपीट कर रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची व नाबालिग युवक को दस्तयाब कर लिया गया। इस मामले में पुलिस ने घडसाना निवासी दयाराम, अनूपगढ़ निवासी एहरबाज खान, विनोद कुमार, पंकज कुमार को गिरफ्तार किया था। पीड़ित पर आरोप था कि उसने फर्जी ट्रांजैक्शन दिखाकर खरीददारी की थी। उपरोक्त चार आरोपियों ने युवक की पुलिस में शिकायत करने की बजाय राठौड़ी दिखाते हुए उसका अपहरण कर रूपये ऐंठने का प्रयास किया। गिरफ्तारी के बाद से चारों आरोपी रायसिंहनगर की जैल में बंद है, जिनकी बुधवार तक भी जमानत नहीं हो पाई।

एनएसयूआई के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष का बिश्नोई मंदिर में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

रायसिंहनगर/किसान हित। एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया बुधवार की शाम को बिश्नोई मंदिर में पहुंचे। जहां पर सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि वरिष्ठ कांग्रेसी चौधरी वीरेंद्र गोदारा के नेतृत्व में स्वागत किया। गोदारा एवं बिश्नोई मंदिर प्रधान बबलू कालीराणा ने पूनियां को राजस्थानी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। वहीं तमाम कांग्रेसी कार्यकर्ताओ, पदाधिकारी, सरपंचों एवं डायरेक्टरों ने भी फूलों माला पहनाकर पूनियां का स्वागत किया। अभिमन्यु पूनियां ने कार्यक्रम में पहुंचे हुए तमाम लोगों और नौजवान युवाओं का आभार जताते हुए कहा कि राजस्थान में यूथ कांग्रेस प्रदेश के चुनाव चल रहे हैं। 15 दिन हो चुके हैं और 15 दिन अभी बाकी है। संगठन का ऐप डाउनलोड करके अधिक से अधिक प्रदेश अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष के चुनाव करें हनुमानगढ़ और गंगानगर जिला जितनी ज्यादा संख्या में मतदान करेगा उतनी ज्यादा मजबूती मुझे राजस्थान में मिलेगी। हमेशा से ही इन दोनों जिलों के युवाओं का मुझे प्यार मिला है। मैं हर संभव आप के हकों की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहूंगा। अगर मुझे आपका प्यार मिला तो मैं वादा करता हूं कि जयपुर में आपकी बात को प्रमुखता से रखूंगा। पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि चौधरी वीरेंद्र गोदारा ने मंच पर बोलते हुए कहा कि यहां पर आए हुए सभी की तरफ से विश्वास दिलाते हुए हम आपसे वादा करते हैं कि ज्यादा से ज्यादा वोट दिला कर हम आप को विजय बनाएंगे। कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि वरिष्ठ कांग्रेसी चौधरी वीरेंद्र गोदारा, जिला अध्यक्ष के चुनाव लड़ रहे करण सहारण, सरपंच विनोद डेलू, सरपंच कान सिंह, सरपंच शिवदत्त, साहब राम भादू, एडवोकेट पंचायत समिति सदस्य किशोर बारूपाल, प्रदीप थापन, विजय जाखड़, रूबल मेघवाल, कानू गोदारा, मांगीलाल गोदारा, दीपक मांजू, दर्शन सिंह बावरी, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी शिवशंकर बिश्नोई, बिश्नोई मंदिर प्रधान बबलू कालीराणा, सरपंच रजनीश ज्याणी, काका गिल, जगसीर सिंह, दीपक खीचड़, बुधराम माल, बनवारीलाल खिचड़, अमित कड़वासरा, सुनील जाखड़, पवन मंडा, इंद्रजीत सीगड़, हरबंस खिचड़, हिमांशु बिश्नोई, पवन कड़वासरा, पूर्व पार्षद संतलाल मेघवाल सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

23 मिनिट में ही थोड़े हो-हल्ले के बाद करीब साढ़े 37 करोड़ का बजट पारित

रायसिंहनगर। नगर पालिका बोर्ड की बजट बैठक बुधवार सुबह 11 बजे पालिकाध्यक्ष मनीष मोहन कौशल की अध्यक्षता में पालिका के सभागार में आयोजित की गई। जिसमें शहरी विकास के लिए वर्ष 2023-24 में 37 करोड़ 62 लाख 19 हजार रुपए का बजट प्रस्तुत किया गया। जिसको सर्वसम्मती से पारित कर दिया गया। इस दौरान पालिका उपाध्यक्ष हरिश डाबी व अन्य पार्षदों ने आम सभा की बैठक नहीं करने व सफाई व्यवस्था सुधारने व भ्रष्टाचार आदि मुद्दों को लेकर विरोध जताया जिस पर अधिशासी अधिकारी लाजपत बिश्नोई की ओर से प्रार्थना पत्र प्राप्त कर आगामी दिनों में आम सभा का आयोजन करने व सफाई व्यवस्था को सुधारने का आश्वस्त करने पर पार्षद शांत हो गए। पालिकाअध्यक्ष मनीष कौशल ने बजट प्रतिवेदन पढ़ते हुए नगरपालिका क्षेत्र में पूर्ण हुए व प्रस्तावित विकास कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

भाई चुनाव जीते इसलिए 250 से अधिक फर्जी बिल बनाकर किया फर्जीवाड़ा, कुटरचित दस्तावेज की प्रति सहित सौंपा ज्ञापन

रायसिंहनगर/किसान हित

क्रय-विक्रय सहकारी समिति में मंगलवार को एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया था। जिसको लेकर बुधवार को किसानों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने उपखण्ड अधिकारी गुंजनसिंह को ज्ञापन सौंप कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग रखी। पीड़ितों ने बताया कि फर्जीवाड़ा समिति में कार्यरत एक संविदाकर्मी ने अन्य कर्मी के सहयोग से इसलिए किया कि समिति में फर्जी वोट बनाकर हाल ही में पुलिस से सेवानिवृत्त हुए भाई को अध्यक्ष बनाया जा सके। भ्रष्टाचार सिरे चढ़ता इससे पहले ही मामले का भण्डाफोड़ हो गया। जिसको लेकर बुधवार को समिति के वर्तमान सदस्यों ने उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि खाली बिलों एवं रजिस्टर में एक पक्ष को फायदा पहुंचाने के लिए फर्जी बिल काटे गये एवं रजिस्टर में नाम दर्ज किये। कर्मचारियों द्वारा आपस में साठंगांठ कर लगभग 250 बिलों में फर्जीवाड़ा किया गया। फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए सदस्यों ने पहले से ही खाली रजिस्टर की फोटो एवं बाद में अंकन किये गये नाम दिखाये। सदस्यों ने कहा 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 व 1 अप्रैल 2022 से अब तक बिक्री रजिस्टर, बिल बुक व दैनिक बही की जांच निष्पक्ष करने पर फर्जीवाड़े का खुलासा होगा। आप को बता दें कि समिति के सदस्य सुनील जाखड़, लखवीर सिंह, देवेन्द्र सिंह, रणजीतसिंह एवं जसकरण ने आरोप लगाया था कि समिति के आगामी चुनावों में भाजपा नेता एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी को फायदा पहुंचाने के लिए उनके भाई एवं संविदा कर्मी सोहनलाल सहारण व कर्मचारी राजू सिंह ने मिलीभगत कर फर्जी रसीदें काट दी। हालांकि समिति के उच्चाधिकारियों ने सोहनलाल साहरण को सोमवार को पद से हटाते हुए घर भेज दिया था। अब कार्यवाही की तलवार अन्य कर्मचारियों पर लटक गई है।

जिन जिलों में पेपरलीक, वहां नहीं बनेंगे परीक्षा सेंटर

जयपुर। राजस्थान में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं से पूरे देश में प्रदेश की परीक्षाओं की साख खराब हुई है। साख को फिर से लौटाने का आश्वासन दिया है राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के चेयरमैन हरिप्रसाद शर्मा ने। शर्मा पिछले 2 साल से बोर्ड जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उनके सामने बोर्ड के इतिहास की सबसे बड़ी परीक्षा को शांतिपूर्ण कराना किसी चुनौती से कम नहीं है। करीब 9 लाख 64 हजार युवा शिक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले हैं। यह परीक्षा 25 फरवरी से 1 मार्च के बीच होनी है। इसमें कुल 48 हजार पदों के लिए सिलेक्शन होना है। आयोग 25 फरवरी से 1 मार्च के बीच होने वाली इन परीक्षाओं को केवल 11 जिलों में ही करवाएगा। शेष सभी जिलों के अभ्यर्थियों को भी इन्हीं 11 जिलों में परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाएंगे। पेपर लीक के जितने भी मामले हुए हैं, उनमें से ज्यादातर मामलों के तार कहीं ना कहीं 20-22 जिलों से जुड़े रहते हैं। कर्मचारी चयन बोर्ड ने प्रदेश में पहली बार उन सभी जिलों को परीक्षा प्रणाली से बाहर रखने का फैसला किया है।

आरोप : घर बैठे ही तैयार की फसल खराबे की गिरदावरी रिपोर्ट

किसानों ने रिपोर्ट सार्वजनिक करने की रखी मांग

अनूपगढ़/किसान हित

जिले में गत दिनों पड़े पाळे एवं शीतलहर से खेतों में खड़ी सरसों एवं चने की फसल तबाह हो गई। जिसको लेकर अधिकांश किसानों का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन खराबे का सही सर्वे नहीं करवा रहा है। इसी को लेकर अनूपगढ़ तहसील में किसान नेताओं के एक प्रतिनिधि मण्डल ने बुधवार को तहसीलदार राजेन्द्र चौधरी से मुलाकात कर मांग रखी कि जिन पटवारियों एवं गिरदावरों ने खेतों में खराब फसलों का सर्वे किया है उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक करें। प्रतिनिधि मण्डल का आरोप है कि पटवारियों एवं गिरदावरो ने खराबे का फसल सर्वे सही तरीके से नहीं किया है। शीत लहर और पाळे के कारण क्षेत्र के किसानों की फसलें लगभग 60 से 80 प्रतिशत तक खराब हो चुकी हैं। सरकार और बीमा कंपनियों के द्वारा खराब फसलों

की एवज में मुआवजा देने के लिए गिरदावरो और पटवारियों से सर्वे करवाया जा रहा है मगर पटवारी और गिरदावर अपने घर पर ही बैठकर सर्वे की रिपोर्ट तैयार कर क्षेत्र में 15 से 35 प्रतिशत ही खराब फसलों की रिपोर्ट भेज रहे हैं जो कि बिल्कुल गलत है। कॉमरेड सुनील गोदारा ने बताया कि पूर्व में भी प्रशासन को इस से अवगत करवाया गया था मगर अभी तक प्रशासन के द्वारा उचित कार्यवाही नहीं की गई है। किसान नेताओं ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर किसानों की खराब फसल का सर्वे सही ढंग से और नियमानुसार नहीं किया गया तो किसान बड़ा आंदोलन करेंगे। तहसीलदार राजेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि पटवारी और गिरदावर से सर्वे की रिपोर्ट मंगवाई जा रही है जल्द ही एक बैठक का आयोजन कर उनके द्वारा किए गए सर्वे की जांच की जाएगी। तहसीलदार से वार्ता के दौरान सुनील गोदारा, रणवीर सेंखो, युद्धवीर सिंह, भूपेंद्र सिंह गिल, राकेश महला सहित अन्य किसान नेता मौजूद रहे।

रिद्धि-सिद्धि गर्ल्स हॉस्टल
इन्द्रा ट्रस्ट के पिछे, रायसिंहनगर
» खुले एवं हवादार कमरे।
» स्वादिष्ट एवं पोष्टिक भोजन।
» हफ्ते में एक बार स्पेशल खाना।
» सुरक्षित एवं शांत वातावरण।
» कोचिंगों के नजदीक व वीआईपी एरिया।
संतोष बिश्नोई : 98751-32214

वाहन, स्वास्थ्य, जीवन बीमा सहित अन्य बीमा अब घर बैठे ...
Oriental insurance
» वाहन बीमा
» स्वास्थय बीमा
» घर, दुकान, गोदाम का बीमा
» जीवन बीमा
बिश्नदत्त धारणियां : 94149-89689
4-डी, वृंदावन विहार, श्रीकृष्णा धर्मकांटा विजयनगर रोड़, रायसिंहनगर

घरेलू गैस के सुरक्षित उपयोग के लिए 5 वर्षीय जांच अभियान जारी

रसोईघर में सिलेंडर के सुरक्षित रखरखाव, चुल्हे एवं रेगुलेटर की सुरक्षा जांच के बाद मिलेगा प्रमाण पत्र

रायसिंहनगर/किसान हित

हिंदुस्तान पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड ने घरों में एलपीजी के सुरक्षित उपयोग को लेकर स्थानीय गैस एजेंसी के माध्यम से 5 वर्षीय में एक बार अनिवार्य जांच अभियान चल रहा है। कंपनी एवं एजेंसी के प्रतिनिधि घर-घर जाकर रसोईघर में सिलेंडर के सुरक्षित रखरखाव, चूल्हे एवं रेगुलेटर आदि की सुरक्षा जांच कर उपभोक्ता को प्रमाण पत्र भी दे रहे है। कंपनी ने जांच के लिए 236 रूपये का शुल्क रखा है जिसकी रसीद उपभोक्ता को मौके पर ही दी जायेगी। वहीं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत जारी कनेक्शन के उपभोक्ताओं को 59 रूपये जांच

शुल्क देना होगा। अवधि पार व असुरक्षित गैस पाईपों को हटाकर नई सुरक्षा गैस पाईप लगाई जायेगी, जिसका भुगतान 190 रूपये अलग से देना होगा। जोहिया एचपी गैस सर्विस रायसिंहनगर के मालिक यंग प्रकाश जोहिया ने बताया कि सभी गैस उपभोक्ताओं को एलपीजी के सुरक्षित उपयोग के लिए यह 5 वर्षीय अनिवार्य जांच करवाना आवश्यक है। कंपनी के निर्देशानुसार गैस कनेक्शन की अनिवार्य जांच नहीं करवाने पर गैस एजेंसी द्वारा ऐसे उपभोक्ताओं के गैस कनेक्शन की सप्लाई तुरंत प्रभाव से रोक दी जाएगी। एजेंसी ने समस्त सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि इस अभियान में अपने समस्त घरेलू गैस कनेक्शन की 5 वर्षीय अनिवार्य जांच करवाकर पूर्ण सहयोग प्रदान करें। उपभोक्ता अपने गैस सिलेंडर की बुकिंग हेतु नए बुकिंग नंबर 8888823456 पर डायल कर अपनी बुकिंग सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिए गैस एजेंसी के 01507-223400, 223400 फोन नम्बर पर कॉल कर जानकारी जुटा सकते है। वहीं कंपनी ने बताया कि गैस एजेंसी द्वारा अधिकृत मैकेनिक मय पहचान पत्र आयेगा। मैकेनिक का पहचान पत्र देखकर ही उपभोक्ता जांच की अनुमति दें, कोई संदिग्ध लगे तो कंपनी के नम्बर पर तुरंत संपर्क करें।

जिला कलक्टर के आश्वासन पर किसानों ने समाप्त किया धरना

राजियासर। फसल बीमा क्लेम, पाळे से खराब हुई फसलों का उचित मुआवजा, कृषि कनेक्शन देने तथा फसलों की क्रॉप कटिंग में पटवारियों की ओर की गई गड़बड़ी की जांच सहित अन्य मांगों को लेकर किसान प्रतिनिधिमंडल की सोमवार को जिला कलक्टर सौरभ स्वामी से वार्ता में सहमति बनने पर मंगलवार को किसानों ने उपतहसील कार्यालय के सामने चल रहा धरना दस मार्च तक स्थगित कर दिया। धरने पर 16वें दिन किसानों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राजेंद्र भादू, भाजपा नेता मोहन पूनियां व संघर्ष समिति संयोजक राकेश बिश्नोई ने जिला कलक्टर के साथ हुई वार्ता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ने जिला कलक्टर ने वर्ष 2019 के बकाया फसल बीमा क्लेम के 13 करोड़ रुपए का किसानों को शीघ्र भुगतान करवाने, किसानों की रिजेक्ट बीमा पॉलिसी को सही करने, वर्ष 2021-22 में क्रॉप कटिंग के आंकड़ों की जांच करवाने सहित बीमा क्लेम बीमा दिलवाने का आश्वासन दिया। जिला कलक्टर ने प्रतिनिधिमंडल सदस्यों को बताया कि क्षेत्र के सभी पटवार मंडल में क्रॉप कटिंग में गड़बड़ी की जांच के आदेश दिए गए हैं। सिंगरासर व ठुकराना गांव में क्रॉप कटिंग में गड़बड़ी करने पर पटवारियों को नोटिस दिया गया है। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य पटवार मंडल में क्रॉप कटिंग की जांच की जा रही है। क्रॉप कटिंग में गड़बड़ी पाए जाने पर किसानों को फसल बीमा निश्चित तौर पर दिया जाएगा। साथ ही कलक्टर ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही। आप को बता दें कि सूरतगढ़ के टिब्बा क्षेत्र के किसान फसल बीमा क्लेम, छह घण्टे निर्बाध बिजली देने, बकाया विद्युत कनेक्शन देने व पाळे से हुऐ फसल खराबे का मुआवजा देने आदि मांगों को लेकर राजियासर उपतहसील कार्यालय पर पिछले पन्द्रह दिनों से किसानों का धरना चल रहा था। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम करने सहित दो बार उपतहसील कार्यालय पर तालाबंदी की थी।

100 किमी से ज्यादा की दूरी होने पर बनेंगे नये जिले, प्राथमिकता के आधार पर अनूपगढ़ आगे

अनूपगढ़/किसान हित

हाई पावर कमेटी बनने के बाद बजट में मुख्यमंत्री की ओर से प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण करने के लिए नए जिले गठित करने पर निर्णय कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर करने की घोषणा के बाद जिले का 28 वर्ष बाद फिर पुनर्गठन होने की संभावना बढ़ी है। चुनावी वर्ष के बजट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण को भी शामिल किया है। बजट में घोषणा की है कि कई ऐसे जिले हैं, जिनके मुख्यालय और दूरस्थ कोने की दूरी 100 किमी से ज्यादा है। वहां नए जिले बनाए जाने का निर्णय कमेटी की रिपोर्ट के बाद लिया जाएगा। इससे दूरी के मापदंड के हिसाब से अनूपगढ़ के नया जिला बनने की संभावना बढ़ी है। जिले के अंतिम छोर खानूवाली एवं 465 हैड की दूरी जिला मुख्यालय से 205 किलोमीटर है। खुद अनूपगढ़ जिला मुख्यालय से 125 किमी दूरी पर स्थित है। अनूपगढ़ जिला बनाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कुमार बिश्नोई ने बताया कि रायसिंहनगर, श्रीविजयनगर, घड़साना और रावला तहसील को मिलाकर नया जिला बनाया जा सकता है। सूरतगढ़ को जिला बनाने की मांग पिछले 40 वर्ष से चल रही है। अनूपगढ़ को जिला बनाने की मांग लेकर चल रहे आंदोलन व धरने को 7 फरवरी को 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं। सूरतगढ़ जिला बनाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष धन्नाराम स्वामी के 20 दिन पूर्व बैठक कर आंदोलन करने का निर्णय लिया था। तब कुछ कांग्रेसी नेताओं ने आश्वासन दिया था कि बजट में नए जिले बनाने की घोषणा हो सकती है। इसमें सूरतगढ़ को भी नया जिला बनाए जाने की संभावना जताई जा रही थी। अनूपगढ़ जिला बनाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कुमार बिश्नोई के अनुसार हाई पावर कमेटी दो बार अनूपगढ़ को जिला बनाना प्राथमिकता में शामिल कर चुकी है। कमेटी के समक्ष एक बार फिर मांग रखी जाएगी।

हाईकोर्ट के आदेश पर राकेश सोनी होंगे श्रीगंगानगर डीएसओ, सुरेश कुमार ईआई

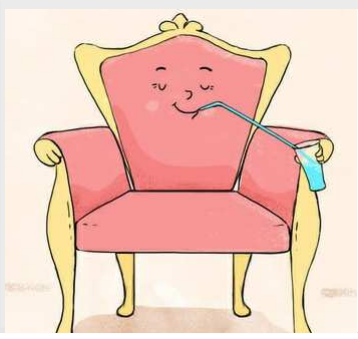

श्रीगंगानगर। रसद विभाग में कुर्सी को लेकर चल रहा झगड़ा हाईकोर्ट पहुंच गया है। वहां दोनों पक्षों को सुनने के बाद बुधवार को हाईकोर्ट ने सरकार का आदेश खारिज करते हुए कहा है कि राकेश सोनी ही श्रीगंगानगर डीएसओ रहेंगे। जबकि अभी कार्यवाहक डीएसओ सुरेश कुमार को वापस श्रीगंगानगर में ही ईआई लगाया जाता है। नए डीएसओ सोनी एक.दो दिन में यहां ज्वाइन करेंगे। उल्लेखनीय है कि अभी जिला अस्पताल में भी पीएमओ की कुर्सी के लिए झगड़ा चल रहा था और यह विवाद भी हाईकोर्ट पहुंच गया था। स्थिति यह हुई कि वहां भी सरकार ने 23 दिन में 4 बार पीएमओ बदले थे।

यह साप्ताहिक मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राजकमल बिश्नोई बालाजी ऑफसेट प्रिन्टर्स सूतरगढ़ रोड़ राजकीय हॉस्पीटल के सामने श्रीगंगानगर-335707 राजस्थान से प्रिंटिंग एवं 2 पीएम द्वितीय(ए) रावलामंडी तहसील नई मण्डी घड़साना जिला श्रीगंगानगर-335707 राजस्थान से प्रकाशित। फोन :- 97998-75426, संपादक राजकमल बिश्नोई R.N.I. No. RAJHIN/2013/58887